



From The Diary Of Anne Frank Class 10 Summary

On 12 June 1929 Anne Frank was born at Frankfurt in Germany. In 1933, being Jewish born, she had to immigrate to Amsterdam to escape oppression and cruelty. But soon it was occupied by Germany and the sufferings continued for the Jews. Their freedom was restricted, tortured and many were put to death.

Fleeing the Nazi persecution of the Jews, Anne's family went into hiding in July 1942 in hidden rooms in her father Otto Frank's office building. Later, Margot, Anne's elder sister and Anne were transported near Hanover in Germany.

On her thirteenth birthday, Anne Frank's parents gave her a diary. She was very excited and named it 'Kitty'. She had a completely strange experience for diary. She had found something for herself to pour in her thoughts and share all her secrets.

It was not merely a diary but, indeed a true companion. She started writing her diary and introduced her family members, school atmosphere, academic grades, friends and boys at the school. Within a month, she felt as if the whole life had undergone a sea change. Later on, the readers all over the world know it as 'The Diary of a Young Girl'.

Anne believed that 'Paper has more patience than people'. She also thought that a diary would have more persistence to listen and understand her troubles. However, she could entrust more in her close diary than in people. She explained different moments of her life in it. She talked about her love for her grandmother, her teacher's advice and comments for her. In fact, her grandmother whom she loved so much fell ill and died in 1942.

Anne wrote in her diary about the result day, she was tense and frightened. Her mathematics teacher remained annoyed with her as she talked too much. She was asked to write an essay on 'A Chatterbox' as a punishment as she was very talkative.

Anne wrote that she had inherited that quality from her mother. She continued chatting in the class and Mr Keesing again gave her an essay entitled 'Quack, Quack, Quack'. She was helped by her friend Sanne to write an essay on that topic. In her writings, she told a heart-wrenching story about a father duck who had killed his baby ducklings only because of the reason they quacked too much.

Reading this story, her mathematics teacher, Mr Keesing changed his attitude for Anne and stopped punishing her thereafter. Moreover, he himself had started cracking jokes in the class.

From The Diary Of Anne Frank Class 10 Summary in Hindi

12 जून 1929 को ऐनी फ्रैंक का जन्म जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में हुआ था। 1933 में, यहूदी मूल की होने के कारण, उत्पीड़न और क्रूरता से बचने के लिए उन्हें एम्स्टर्डम में प्रवास करना पड़ा। लेकिन जल्द ही इस पर जर्मनी का कब्ज़ा हो गया और यहूदियों के लिए कष्ट जारी रहे। उनकी स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा दिया गया, उन पर अत्याचार किया गया और बहुत को मौत की सजा दी गई।

यहूदियों पर नाज़ी उत्पीड़न से भागकर, ऐनी का परिवार जुलाई 1942 में उसके पिता ओटो फ्रैंक के कार्यालय भवन के छिपे हुए कमरों में छिप गया। बाद में, मार्गोट, ऐनी की बड़ी बहन और ऐनी को जर्मनी में हनोवर के पास ले जाया गया।

उसके तेरहवें जन्मदिन पर, ऐनी फ्रैंक के माता-पिता ने उसे एक डायरी दी। वह बहुत उत्साहित हुई और उन्होंने इसका नाम 'किटी' रख दिया। डायरी के लिए उनका अनुभव बिल्कुल अजीब था। उसे अपने विचारों को व्यक्त करने और अपने सभी रहस्यों को साझा करने के लिए कुछ मिल गया था।

यह महज़ एक डायरी नहीं थी, सचमुच एक सच्ची साथी थी। उसने अपनी डायरी लिखना शुरू किया और अपने परिवार के सदस्यों, स्कूल के माहौल, शैक्षणिक ग्रेड, दोस्तों और स्कूल के लड़कों का परिचय दिया। एक महीने के भीतर ही उसे ऐसा महसूस हुआ मानो पूरी जिंदगी में आमूल-चूल परिवर्तन आ गया हो। बाद में इसे दुनिया भर के पाठक 'एक युवा लड़की की डायरी' के नाम से जानते हैं।

ऐनी का मानना था कि 'कागज़ में लोगों की तुलना में अधिक धैर्य होता है।' उसने यह भी सोचा कि एक डायरी में उसकी परेशानियों को सुनने और समझने की अधिक दृढ़ता होगी। हालाँकि, वह लोगों की तुलना में अपनी करीबी डायरी पर अधिक भरोसा कर सकती थी। इसमें उन्होंने अपनी जिंदगी के अलग-अलग पलों के बारे में बताया। उसने अपनी दादी के प्रति अपने प्यार, अपने शिक्षक की सलाह और उनके लिए टिप्पणियों के बारे में बात की। दरअसल, उनकी दादी, जिनसे वह बहुत प्यार करती थीं, बीमार पड़ गईं और 1942 में उनकी मृत्यु हो गई।

ऐनी ने अपनी डायरी में परिणाम वाले दिन के बारे में लिखा, वह तनावग्रस्त और भयभीत थी। उसके गणित के शिक्षक उससे नाराज़ रहते थे क्योंकि वह बहुत ज्यादा बात करती थी। उन्हें सज़ा के तौर पर 'ए चैटरबॉक्स' पर निबंध लिखने के लिए कहा गया क्योंकि वह बहुत बातूनी थीं।

ऐनी ने लिखा कि उसे यह गुण अपनी माँ से विरासत में मिला है। उसने कक्षा में बातचीत जारी रखी और मिस्टर कीसिंग ने उसे फिर से एक निबंध दिया जिसका शीर्षक था- 'कैक, कैक, कैक'। उस विषय पर निबंध लिखने में उसकी दोस्त सन्ने ने उसकी मदद की। अपने लेखन में, उन्होंने एक बत्तख पिता के बारे में दिल दहला देने वाली कहानी सुनाई, जिसने अपने बत्तख के बच्चों को सिर्फ इसलिए मार डाला क्योंकि वे बहुत ज्यादा चिल्लाते थे।

इस कहानी को पढ़कर, उसके गणित शिक्षक, श्री कीसिंग ने ऐनी के प्रति अपना दृष्टिकोण बदल दिया और उसके बाद उसे दंडित करना बंद कर दिया। इसके अलावा, वह खुद भी क्लास में चुटकुले सुनाने लगा था।